श्यामा मेला में ले चालू रे तने दिवाद्युं रेवड़ी लिरिक्स

श्यामा मेला में ले चालू रे,
तने दिवाद्युं रेवड़ी,
मैं बड़ा तुलाल्यूं रे।bd।

चाले छे तो चाल साँवरा,
मेलो उल्टयो आवे,
तू बैठ्यो मन्दिर में रे,
दुनिया माल उड़ावे,
आजा तू क्यों देर लगावे रे,
तने दिवाद्युं रेवड़ी,
मैं बड़ा तुलाल्यूं रे,
श्यामा मेला में ले चालूँ रे।bd।

नया नया छे ख्याल खिलौना,
कांच गड़ूल्या मोती,
तने दिवादयु अलगोजा,
और मैं लेल्युला पोथी,
आपा गाता गाता चाला रे,
तने दिवाद्युं रेवड़ी,
मैं बड़ा तुलाल्यूं रे,
श्यामा मेला में ले चालूँ रे।bd।

सौ रूपया का खुल्ला कराले,
दे दे मेला खर्ची,
रेवाड़ी की रेवड़ी रे,
वा दिल्ली की बरफी,
आपा खाताखाता चाला रे,
तने दिवाद्युं रेवड़ी,
मैं बड़ा तुलाल्यूं रे,
श्यामा मेला में ले चालूँ रे।bd।

घणो सार को गेर मसालो,
चाबा नागर-पान,
गुम जावलो सागे रिजे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कहबो म्हारा मान,
तेने आंगली पकड़ा लूँ रे,
तने दिवाद्युं रेवड़ी,
मैं बड़ा तुलाल्यूं रे,
श्यामा मेला में ले चालूँ रे।bd।

'सोहन लाल' का लाडला,
तने राखू हृदय माहीं,
आज तो मन्दिर के बाहर,
आजा रे सांचा ही,
तन्ने ताला मैं जुड़ देल्या रे,
तने दिवाद्युं रेवड़ी,
मैं बड़ा तुलाल्यूं रे,
श्यामा मेला में ले चालूँ रे।bd।

श्यामा मेला में ले चालू रे,
तने दिवाद्युं रेवड़ी,
मैं बड़ा तुलाल्यूं रे।bd।

Singer – Babu Lal Sharma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com